

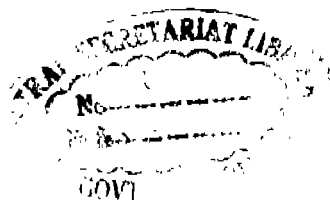


भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खंड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 425]
No. 425]

नई दिल्ली, सोमवार, दिसम्बर 16, 1996/अग्रहायण 25, 1918
NEW DELHI, MONDAY, DECEMBER 16, 1996/AGRAHAYANA 25, 1918

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 16 दिसम्बर, 1996

सं० 94/96—सीमा शुल्क

सा. का. नि. 569 (अ).—केन्द्रीय सरकार, सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 97/95-सीमा शुल्क, तारीख 26 मई, 1995 को अधिकांश करते हुए अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के किसी अध्याय के अंतर्गत आने वाले और इससे उपाबद्ध सारणी के (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त सारणी कहा गया है) के स्तंभ (2) में विनिर्दिष्ट माल को जब उसका भारत में पुनः आयात किया जाए, उक्त पहली अनुसूची में विनिर्दिष्ट उस पर उद्ग्रहणीय उतने सीमा शुल्क और उक्त सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 3 के अधीन उस पर उद्ग्रहणीय उतने अतिरिक्त शुल्क से जितना उक्त सारणी के स्तंभ (3) में की तत्स्थानी प्रविष्टि में उपदर्शित रकम से अधिक है, छूट देती है।

सारणी

क्रम सं.	माल का वर्णन	शुल्क की रकम
(1)	(2)	(3)
1.	माल जिसका निर्यात किया गया	
(क)	संघ द्वारा उद्ग्रहीत किन्हीं सीमा शुल्कों या उत्पाद शुल्कों की वापसी के लिए दावा के अंतर्गत	निर्यात के समय अनुज्ञात सीमा शुल्कों या उत्पाद-शुल्कों की वापसी की रकम।

(1)	(2)	(3)
(ख) किसी राज्य द्वारा किसी उत्पाद-शुल्क की वापसी के लिए दावे के अंतर्गत		माल के आयात के समय और स्थान पर राज्य द्वारा उद्ग्रहीत उत्पाद-शुल्क की रकम।
(ग) केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क के रिबेट के लिए दावे के अंतर्गत		निर्यात के समय लिए गए केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क के रिबेट की रकम।
(घ) केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क का संदाय किए बिना बंधपत्र के अंतर्गत		असंदत्त केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क की रकम। के अंतर्गत
(ङ) शुल्क छूट स्कीम या निर्यात संबंधन पूंजी माल स्कीम के अंतर्गत		माल के आयात के समय और स्थान पर उद्ग्रहणीय उत्पाद-शुल्क की रकम जो उक्त माल लागू निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए होगी:—
		(i) शुल्क छूट स्कीम पुस्तिका अंतिम रूप से बंद नहीं की गई है और प्रश्नगत निर्यात शुल्क छूट स्कीम पुस्तिका की कार्यमंजी से निकाल दिया गया है।
		(ii) निर्यात संबंधन पूंजी माल स्कीम की दशा में पूर्ण निर्यात संपादन की अवधि समाप्त नहीं हुई है और पुननिर्यात से संबंधित आवश्यक पृष्ठांकन कर दिया गया है।
		(iii) आयातकर्ता ने पुननिर्यात किए गए प्रेषण के ब्योरे उस सहायक केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क आयुक्त को जो उस कारखाने का प्रभारी है जहां माल का विनिर्माण हुआ है तथा पुननिर्यात के तथ्य के संबंध में अनुज्ञापन प्राधिकारी को भी प्रज्ञापित कर दिया है और माल की निकासी के समय वह ऐसी प्रज्ञापना की तारीख पड़ी अभिस्वीकृति प्रस्तुत करता है।
		(iv) केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क विभाग के पास रजिस्ट्रीकृत विनिर्माता निर्यातकर्ता को केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क का संदाय किए बिना ऐसे माल की निकासी अभिवहन बंधपत्र के अधीन अनुज्ञात की जा सकती है जो कि सीमा शुल्क प्राधिकारियों के पास निष्पादित किया जाएगा यह बंधपत्र केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क प्राधिकारियों द्वारा उसके

(1)	(2)	(3)
		कारखाने में पुनर्निर्यात किए गए माल की प्राप्ति के संबंध में जारी किए गए प्रमाणपत्र के प्रस्तुत किए जाने पर रद्द कर दिया जाएगा।
2.	विदेश में मरम्मत के लिए निर्यात किए गए क्रम सं. 1 के अंतर्गत आने वाले से भिन्न माल।	सीमा शुल्क जो तब उद्धरणीय होगा जब मरम्मत के पश्चात् पुनः आयातित माल का मूल्य की गई मरम्मत की उचित लागत से निकाला गया हो जिसके अंतर्गत मरम्मत में उपयोग की गई सामग्री की लागत (चाहे ऐसी लागत वास्तव में उपगत हुई हो या नहीं), बीमा और दोनों ओर के माल-भाड़ा प्रभार भी है।
3.	माल उनसे भिन्न जो क्रम सं. 1 और 2 के अंतर्गत आता है।	कुछ नहीं।

परन्तु यह तब जब कि साहयक सीमा शुल्क आयुक्त का यह समाधान हो जाता है कि :—

- (क) शुल्क छूट स्कीम या निर्यात संवर्धन पूंजी माल स्कीम के अधीन निर्यात किए गए माल से भिन्न माल का उनके निर्यात के पश्चात् तीन वर्ष के भीतर या विलम्ब के लिए पर्याप्त कारण दिखाए जाने पर अनुज्ञात की जाने वाली विस्तारित अवधि के भीतर जो दो वर्ष से अधिक नहीं होगी पुनः आयात किया जाता है तथा शुल्क छूट स्कीम या निर्यात संबंध पूंजी माल स्कीम के अधीन निर्यात किए गए माल का निर्यात के एक वर्ष के भीतर या सीमा शुल्क अधिभुक्त द्वारा पर्याप्त कारण दिखाए जाने पर यथा अनुज्ञात एक वर्ष से अधिक विस्तारित अवधि के भीतर पुनः आयात किया जाता है।
- (ख) माल वहीं है जो निर्यात किया गया था।
- (ग) सारणी के क्रम सं. 2 के अधीन आने वाले माल की दशा में माल के निर्यात और पुनः आयात के समय के बीच माल के स्वामित्व में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है।

परन्तु यह और कि इस अधिसूचना की कोई बात ऐसे पुनः आयातित माल को लागू नहीं होगी जिसका निर्यात निम्नलिखित रूप में किया गया है—

- (क) केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 3 के अधीन यथा परिभाषित किसी शत प्रतिशत निर्यात-मुक्त उपक्रम या किसी मुक्त व्यापार क्षेत्र के किसी एकक द्वारा;
- (ख) सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 57 या धारा 58 के अधीन, यथास्थिति, नियत या अनुज्ञात किसी लोक भांडागार या प्राइवेट भांडागार से;

स्पष्टीकरण :—इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए माल को वैसा ही माल तब नहीं समझा जाएगा जब उसका विदेश में गलत, पुनः चक्रण या पुनः संचलन के द्वारा पुनः विनिर्माण या पुनः संस्करण करने के पश्चात् पुनः आयात किया जाता है।

[फा. सं. 435/3/95 सी.सू. IV]

विजय कुमार, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 16th December, 1996

NO. 94/96—CUSTOMS

G.S.R. 569(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962) and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance, (Department of Revenue), No. 97/95-Customs, dated the 26th May, 1995 the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts the goods falling within any Chapter of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975) and specified in column (2) of the Table hereto annexed (hereinafter referred to as the said Table) when re-imported into India,

from so much of the duty of customs leviable thereon which is specified in the said First Schedule, the additional duty leviable thereon under section 3 of the said Customs Tariff Act and special duty of customs leviable under sub-section (1) of section 6B of the Finance (No. 2) Act, 1996 (33 of 1996), as is in excess of the amount indicated in the corresponding entry in column (3) of the said Table.

TABLE

Sl. No.	Description of goods	Amount of duty
(1)	(2)	(3)
1.	Goods exported—	
(a)	under claim for drawback of any customs or excise duties levied by the Union	Amount of drawback of customs or excise duties allowed at the time of export.
(b)	under claim for drawback of any excise duty levied by a State	Amount of excise duty leviable by State at the time and place of importation of the goods.
(c)	under claim for rebate of Central excise duty	Amount of rebate of Central excise duty availed at the time of export.
(d)	under bond without payment of Central excise duty	Amount of Central excise duty not paid
(e)	under duty exemption scheme (DEEC) or Export Promotion Capital Goods Scheme (EPCG).	Amount of excise duty leviable at the time and place of importation of goods and subject to the following conditions applicable for such goods — (i) DEEC book has not been finally closed and export in question is delogged from DEEC book. (ii) In case of EPCG scheme the period of full export performance has not expired and necessary endorsements regarding reimport have been made. (iii) The importer had intimated the details of the consignment reimported to the Assistant Commissioner of Central Excise in charge of the factory where the goods were manufactured and to the licensing authority regarding

(1)	(2)	(3)
		the fact of reimportation and produces a dated acknowledgement of such intimation at the time of clearance of goods.
		(iv) the manufacturer-exporter-who are registered with Central Excise Department may be permitted clearance of such goods without payment of Central Excise duty under transit bond to be executed with the customs authorities, such bond will be cancelled on the production of certificate issued by Central Excise authorities about receipt of reimported goods into their factory.
2.	Goods, other than those falling under Sl. No. 1, exported for repairs abroad.	Duty of customs which would be leviable if the value of reimported goods after repairs were made up of the fair cost of repairs carried out including cost of materials used in repairs (whether such costs are actually incurred or not), insurance and freight charges, bothways.
3.	Goods other than those falling under Sl. No. 1 and 2.	Nil.

Provided that the Assistant Commissioner of Customs is satisfied that—

- (a) the goods [other than the goods exported under the Duty Exemption Scheme (DEEC) or the Export Promotion Capital Goods Scheme (EPCG)] are reimported within three years after their exportation or within such extended period, not exceeding two years, as the Commissioner of Customs may on sufficient cause being shown for the delay, allow, and in the case of goods exported under the Duty Exemption Scheme (DEEC) or the Export Promotion Capital Goods Scheme (EPCG), reimportation of such goods takes place within one year of exportation or such extended period not exceeding one more year as may be allowed by the Commissioner of Customs on sufficient cause being shown ;
- (b) the goods are the same which were exported.
- (c) in the case of goods falling under Sr. No. 2 of the Table there has been no change in ownership of the goods between the time of export of such goods and reimport thereof ;

Provided further nothing contained in this notification shall apply to re-imported goods which had been exported —

- (a) by a hundred percent export oriented undertaking or a unit in a Free Trade Zone as defined under section 3 of the Central Excise Act, 1994 (1 of 1944) ;
- (b) from a public warehouse or a private warehouse appointed or licensed, as the case may be, under section 57 or section 58 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962) ;

Explanation : For the purposes of this notification, the goods shall not be deemed to be the same if these are reimported after being subjected to remanufacturing or reprocessing through melting, recycling or recasting abroad.

[F. No. 435/3/95-CUS. IV]

VIJAY KUMAR, Under Secy.

